हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

व्याख्यान सूची

परास्नातक पाठ्यक्रम

सत्र 2023–24

(अद्यतन)

24 मई 2023 की पाठ्यक्रम समिति से संस्तुत,

30 मई 2023 को पैनल्ली बोर्ड की बैठक में स्वीकृत एवं एकेडेमिक काउंसिल की स्वीकृति के लिए अग्रेषित

अध्यक्ष
हिंदी विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय
प्रयागराज

अध्यक्ष
हिन्दी विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एम.ए. तृतीय सत्र (हिन्दी)

क्रसं..	प्रश्न पत्र	क्रेडिट	विषय	कोड
1	11वाँ	04	आधुनिक काव्य (20वीं शताब्दी के आरंभ से छायावाद तक) ADHUNIK KAVYA (20VEEN SHATABDI KE ARAMBH SE CHHAYAVAD TAK)	HIN-521
2	12वाँ (वैकल्पिक)	04	कबीर (KABIR)	HIN-551
		04	जायसी (JAYASI)	HIN-552
		04	सूरदास (SURDAS)	HIN-553
		04	तुलसीदास (TULSIDAS)	HIN-554
		04	प्रसाद (PRASAD)	HIN-556
		04	निराला (NIRALA)	HIN-557
		04	अज्ञेय (AGYEY)	HIN-558
		04	मुक्तिबोध (MUKTIBODH)	HIN-559
		04	भारतेन्दु हरिश्चंद्र (BHARTENDU HARISHCHANDRA)	HIN-560
		04	प्रेमचंद (PREMCHAND)	HIN-561
		04	रामचंद्र शुक्ल (RAMCHANDRA SHUKLA)	HIN-562
		04	रैदास (RAIDAS)	HIN-588
		04	महादेवी वर्मा (MAHADEVI VERMA)	HIN-589
		04	फणीश्वरनाथ रेणु (PHANISHWARNATH RENU)	HIN-590
3	13वाँ (वैकल्पिक)	04	हिन्दी पत्रकारिता (HINDI PATRAKARITA)	HIN-563
		04	प्रयोजनमूलक हिन्दी (PRAYOJANMULAK HINDI)	HIN-564
		04	भारतीय प्रवासी एवं विस्थापित समाज (डायस्पोरा) का साहित्य [BHARTIYA PRAVASI EVAM VISTHAPIT SAMAJ (DIASPORA) KA SAHITYA]	HIN-565
4	14वाँ	04	भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा (इतिहास एवं सिद्धांत) [BHASHA VIGYAN AUR HINDI BHASHA (ITIHAS EVAM SIDDHANT)]	HIN-522
5	15वाँ	04	निबंध : साहित्यिक एवं साहित्येतर (NIBANDH : SAHITYIK EVAM SAHITYETAR)	HIN-523

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
11वाँ प्रश्न पत्र
आधुनिक काव्य
(20वीं शताब्दी के आरंभ से छायावाद तक)

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 521**

इकाई : 1

आधुनिक हिन्दी कविता की पृष्ठभूमि और नए संदर्भ

- हिन्दी कविता का नया युग : युगीन भावना, चिन्तन, विषयवस्तु, भाषा, काव्यरूप, शैली–शिल्प
- आधुनिक युग की रचनात्मक चुनौतियाँ और हिन्दी का आख्यानमूलक काव्य
- **मैथिलीशरण गुप्त** की काव्य–यात्रा और **'साकेत'**
- रामकाव्य–परम्परा और साकेत **(केवल आलोचनात्मक अध्ययन) :** राष्ट्रीय चेतना, युगीन आदर्श, नारी भावना और काव्यत्व

इकाई : 2

छायावादी काव्यांदोलन : उद्‌भव एवं विकास, नवीन रचना–दृष्टि और सौन्दर्य भावना

- जयशंकर प्रसाद की काव्य–यात्रा और 'कामायनी'
- कामायनी : प्रेरणा, कल्पना, विषयवस्तु, जीवन दर्शन, युगीन संदर्भ, महाकाव्यत्व, आलोचना–प्रक्रिया
- कामायनी : श्रद्धा–सर्ग और इड़ा–सर्ग (व्याख्या और आलोचना)

इकाई : 3

निराला और छायावाद :

- काव्य–यात्रा
- निर्धारित पाठ : व्याख्या और आलोचना : राम की शक्ति–पूजा (राग विराग, सम्पादक डॉ० रामविलास शर्मा)

इकाई : 4

पंत की काव्य यात्रा के विविध सोपान

- व्याख्या और आलोचना हेतु पंत की निर्दिष्ट कविताएँ :

  प्रथम रश्मि, परिवर्तन, ग्रामश्री (आधुनिक कवि : पंत, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

इकाई : 5

छायावाद और महादेवी

- छायावादी काव्य में रहस्य भावना और महादेवी वर्मा
- महादेवी के काव्य में स्वाधीन चेतना और गीतिकाव्य तत्व
- महादेवी की निर्दिष्ट कविताएँ (व्याख्या और आलोचना) :

(1) यह मंदिर का दीप (2) शलभ मैं शापमय वर हूँ (3) मैं नीर भरी दुःख की बदली
(4) फिर विकल है प्राण मेरे (5) कीर का प्रिय आज पिंजर खोल दो

(संधिनी : महोदवी वर्मा)

संदर्भ पुस्तकें

मोहन अवस्थी	:	आधुनिक काव्य शिल्प
उमाकांत गोयल	:	मैथिलीशरण गुप्त
शशि अग्रवाल	:	मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की अंतर्कथाओं के मुख्य स्रोत
प्रेमशंकर	:	प्रसाद का काव्य
दूधनाथ सिंह	:	निराला : आत्महंता आस्था
नामवर सिंह	:	छायावाद
नामवर सिंह	:	आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ
कुमार विमल	:	महादेवी का काव्य–सौष्ठव
दूधनाथ सिंह	:	महादेवी
रमेशचन्द्र शाह	:	जयशंकर प्रसाद
प्रभाकर श्रोत्रिय	:	जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता
डॉ० नगेन्द्र	:	कामायनी के अध्ययन की समस्याएं
डॉ० राम स्वरूप चर्तुर्वेदी	:	कामायनी एक पुनर्मूल्यांकन
मुक्तिबोध	:	कामायनी एक पुनर्विचार
परमानंद श्रीवास्तव (संपा0)	:	महादेवी
शम्भुनाथ	:	मिथक और आधुनिक कविता
शिवकुमार मिश्र	:	आधुनिक कविता और युग संदर्भ
रामस्वरूप चतुर्वेदी	:	आधुनिक कविता–यात्रा
डॉ0 नगेन्द्र	:	साकेत : एक अध्ययन
निर्मला अग्रवाल	:	खड़ी बोली काव्य : ऐतिहासिक संदर्भ और मूल्यांकन

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)

कबीर

क्रेडिट : 04
कोड : **HIN 551**

इकाई : 1

- भक्ति आन्दोलन और कबीर
- कबीर का जीवन–वृत्त : मिथक एवं ऐतिहासिकता

इकाई : 2

- कबीर की रचनाओं की विभिन्न पाठ–परम्पराएँ और उनकी प्रामाणिकता
- कबीर की कृतियों का आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई : 3

- **कबीर ग्रंथावली** :
  पद – 1, 2, 4, 5, 6, 7, 10, 11, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 23, 25, 27, 28, 29, 31, 32, 34, 36, 37, 39, 41, 43, 50, 54, 56, 61, 66, 67, 68, 70, 83, 87, 102, 107, 108, 114, 120, 124, 126, 127, 128, 131, 145, 161, 162, 163, 167, 170, 174, 178, 191, 194, 199, 200 (कुल 60 पद)।

  साखी
  क. सुमिरन भजन महिमा कौ अंग
  ख. पिउ पहिचानवे कौ अंग
  (कबीर ग्रन्थावली– (सं0. डॉ0 पारसनाथ तिवारी)

इकाई : 4

- कबीर की विचारधारा : दार्शनिक, सामाजिक, धार्मिक, भक्तिपरक, साधनापरक

इकाई : 5

- कबीर का काव्य, उसकी लोकधर्मी परंपरा, भावाभिव्यक्ति की शैली तथा अन्य विशेषताएँ
- कबीर के काव्य का कलापक्ष– छंद, अलंकार, उलटबाँसी और उसका अर्थ–संधान
- कबीर की भाषा के विविध रूप : मूलाधार बोली, अभिव्यंजना पक्ष

संदर्भ पुस्तकें :

रामकुमार वर्मा	:	कबीर का रहस्यवाद
परशुराम चतुर्वेदी	:	उत्तरी भारत की संत परम्परा
सरनाम सिंह शर्मा	:	कबीर : व्यक्तित्व, कृतित्व एवं सिद्धान्त
माताबदल जायसवाल	:	कबीर की भाषा
नजीर मुहम्मद	:	कबीर के काव्य रूप
गोविन्द त्रिगुणायत	:	कबीर की विचारधारा
रामचन्द्र तिवारी	:	कबीर मीमांसा
जयदेव सिंह (संपा0)	:	संत कवि कबीर
जयदेव सिंह	:	हिन्दी की निर्गुण काव्यधारा और कबीर
भवानीदत्त उप्रेती	:	संत कवि कबीर
रघुवंश	:	कबीर : एक नयी दृष्टि
रामकिशोर शर्मा	:	कबीर वाणी : कथ्य और शिल्प
धर्मवीर	:	कबीर के आलोचक
धर्मवीर	:	कबीर के कुछ और आलोचक
धर्मवीर	:	कबीर खसम खुशी क्यों होय ?
मुजीब रिजवी	:	पीछे फिरत कहत कबीर

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)
जायसी

क्रेडिट : 04
कोड : **HIN 552**

इकाई : 1
भक्ति आंदोलन और जायसी

- जायसी और सूफी विचारधारा
- जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- मध्यकालीन साहित्य का सांस्कृतिक पक्ष
- सूफी मत और जायसी

इकाई : 2
जायसी की प्रेम साधना

- प्रेम भक्ति साधना और जायसी
- इस्लाम का एकेश्वरवाद और भारतीय धर्म साधना का अद्वैतवाद : रूपगत और दृष्टिगत भेद

इकाई : 3
सूफी दर्शन की रहस्य साधना का पक्ष और जायसी

- रहस्यवाद की व्याख्या
- उपास्य रूपक प्रेमतत्व
- भावमूलक रहस्यवाद
- अभिव्यक्ति मूलक रहस्यवाद

इकाई : 4
जायसी की काव्य कला और सौन्दर्य दृष्टि

- जायसी की काव्य भाषा
- सूफी कवियों का शिल्पगत वैशिष्ट्य और जायसी
- जायसी की सौन्दर्य दृष्टि

इकाई : 5
जायसी काव्य की व्याख्या एवं आलोचना हेतु निर्धारित पाठ

पद्मावत : 1. सिंहल द्वीप वर्णन खण्ड, 2. सुआ खण्ड,
3. प्रेम खण्ड, 4. नागमती वियोग खण्ड

जायसी ग्रंथावली– (संपा0) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

संदर्भ पुस्तकें

गोविन्द त्रिगुणायत	:	कबीर और जायसी के रहस्यवाद का तुलनात्मक अध्ययन
चन्द्रबली पाण्डेय	:	तसव्वुफ अथवा सूफीमत
रामचंद्र तिवारी	:	मध्यकालीन काव्य साधना
हजारीप्रसाद द्विवेदी	:	मध्यकालीन धर्म साधना
वासुदेव शरण अग्रवाल	:	पद्मावत (मूल और संजीवनी व्याख्या)
शिवसहाय पाठक	:	पद्मावत का काव्य सौन्दर्य
इन्द्रचन्द्र नारंग	:	पद्मावत का ऐतिहासिक आधार
परशुराम चतुर्वेदी	:	भारतीय प्रेमाख्यान परंपरा
मुंशीराम शर्मा	:	भक्ति का विकास
सत्येन्द्र	:	मध्ययुगीन हिंदी साहित्य का लोकतांत्रिक अध्ययन
श्याम मनोहर पाण्डेय	:	मध्ययुगीन प्रेमाख्यान
गुलाब राय, शम्भूनाथ पाण्डेय	:	रहस्यवाद और हिंदी कविता
रामपूजन तिवारी	:	सूफीमत साधना और साहित्य
जयदेव	:	सूफी महाकवि जायसी
विमल कुमार जैन	:	सूफीमत और हिंदी साहित्य
कमल कुलश्रेष्ठ	:	हिंदी प्रेमाख्यानक काव्य
रघुवंश	:	जायसी एक नई दृष्टि
विजयदेव नारायण साही	:	जायसी
मुजीब रिजवी	:	सब लिखनी कै लिखु संसारा

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)
सूरदास

क्रेडिट : 04
कोड : **HIN 553**

इकाई : 1

भक्ति आन्दोलन और सूरदास

(क) मध्य युग : सामाजिक अवस्था और भक्ति आंदोलन

(ख) वैष्णव आचार्य में आचार्य बल्लभ का स्थान

(ग) शुद्धाद्वैत दर्शन और पुष्टिमार्गीय भक्ति संप्रदाय

(घ) वल्लभ संप्रदाय तथा अन्य कृष्ण–भक्त

इकाई : 2

कृष्ण भक्ति परम्परा और सूरदास

- कृष्ण भक्ति–साहित्य की परंपरा
- अष्टछाप और सूरदास
- सुरदास का जीवन–चरित्र : अंतःसाक्ष्य और बहिर्साक्ष्य जनश्रुति
- सूरदास की रचनाएँ और उनकी प्रामाणिकता
- हिन्दी कृष्ण काव्य परम्परा में सूरदास का स्थान

इकाई : 3

सूरदास की भक्ति : दार्शनिक और वैचारिक आधार

- सूरसागर पर श्रीमद्भागवत तथा अन्य पुराणों का प्रभाव और मौलिकता
- सूरदास की प्रबंध कल्पना : कृष्णलीला, विविध कथाएँ

इकाई : 4

सूर की काव्य कला

- सूर की पात्र कल्पना
- सूर की गीत योजना
- सूर की भावाभिव्यंजना
- सूर का वर्णन कौशल और सौन्दर्य सृष्टि

- सूर की भाषा–शैली और उसके विविध रूप
- सूर की अलंकार योजना, छंद–विधान

इकाई : 5

सूरसागर से निर्धारित पाठ :

- सूरदास की हस्तलिखित प्रतियाँ, मुद्रित संस्करण, उसके पाठ की समस्या, उनका सामान्य रूप।
- सूरसागर : व्याख्या हेतु निर्धारित 60 पद (धीरेन्द्र वर्मा सं0 सूरसागर सार)

  * विनय तथा भक्ति– 20 पद : 1, 2, 4, 11, 12, 18, 19, 21, 22, 23, 24, 25, 32, 39, 42, 44, 45, 46, 48, 54

  * गोकुल लीला– 10 पद : 6, 7, 13, 16, 18, 19, 25, 33, 35, 56

  * वृन्दावन लीला– 10 पद : 38, 42, 50, 79, 86, 145, 151, 156, 160, 166

  * मथुरा गमन – 10 पद : 56, 60, 62, 64, 68, 87, 93, 101, 104, 111

  * उद्धव संदेश – 10 पद : 49, 60, 65, 77, 95, 97, 102, 127, 136, 139

संदर्भ पुस्तकें

नन्द दुलारे वाजपेयी : सूरदास

रामचन्द्र शुक्ल (सं0) : भ्रमरगीत सार

प्रभु दयाल मीतल : अष्टछाप निर्णय

विजयेन्द्र स्नातक : बल्लभ सम्प्रदाय : सिद्धान्त और साहित्य

हरवंश लाल शर्मा : सूर और उनका काव्य

सावित्री श्रीवास्तव : नाभादास कृत भक्तमाल तथा प्रियादास कृत टीका का पाठालोचन

ब्रजेश्वर वर्मा : सूरदास

मनमोहन गौतम : सूर की काव्यकला

विट्ठलनाथ : भक्तिहंस (अनु. केदानाथ)

हजारी प्रसाद द्विवेदी : सूर साहित्य

मीरा श्रीवास्तव : कृष्ण काव्य में सौन्दर्य बोध एवं रसानुभूति

नगेन्द्र (सं0) : सूरदासः ए रिवैल्युएशन

लक्ष्मी शंकर निगम : श्रीबल्लभाचार्य : उनका शुद्धाद्वैत एवं पुष्टिमार्ग

राजेन्द्र कुमार वर्मा (संपा0) : सूरसागर भाष्य

रमेश कुंतल मेघ : मनखंजन किनके

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)
तुलसीदास

क्रेडिट : 04
कोड : **HIN 554**

इकाई : 1

भक्ति और भक्ति आन्दोलन

- भक्ति की परिभाषा और स्वरूप
- भक्ति का उद्‌भव और विकास
- भक्ति साहित्य : पुनरवलोकन

इकाई : 2

तुलसीदास की दार्शनिक विचारधारा और भक्ति

- तुलसीदास का जीवन एवं आत्म संघर्ष
- तुलसीदास की समकालीन परिस्थितियाँ
- तुलसीदास का भक्ति दर्शन
- **विनय पत्रिका** : आलोचना एवं व्याख्या

  निर्धारित पाठ : 88, 105, 111, 115, 121, 162, 169, 172, 188, 198, 275, (कुल 10 पद)

इकाई : 3

राम काव्य परंपरा और तुलसीदास

- राम कथा की आधारभूत सामग्री और उसके ग्रहण का दृष्टिकोण
- तुलसीदास की कृतियों का अनुशीलन : प्रामाणिकता, तिथिक्रम और पाठ की दृष्टि से
- रामकाव्य की परंपरा में तुलसीदास का स्थान
- **कवितावली :** : आलोचना एवं व्याख्या

  उत्तरकांड : निर्धारित पाठ : 23, 57, 64, 72, 73, 81, 96, 97, 106, 108, 129, 148, 175, 176, 177 (कुल 15 पद)

इकाई : 4

तुलसीदास की काव्य कला और भक्ति धारा में स्थान

- तुलसीदास की पात्र कल्पना और चरित्र चित्रण
- तुलसी की मौलिकता
- तुलसीदास की लोकचेतना
- तुलसीदास का मर्यादाबोध
- **दोहावली :** आलोचना एवं व्याख्या
  निर्धारित पाठ : दोहा संख्या 252, 260, 358 467, 507, 508, 522, 531, 549, 573, (कुल 10 दोहे)

इकाई : 5

रामचरितमानस : व्याख्या एवं आलोचना

निर्धारित पाठ : अयोध्याकाण्ड (157 से अंत तक)

संदर्भ पुस्तकें :

रामचन्द्र शुक्ल	:	गोस्वामी तुलसीदास
माताप्रसाद गुप्त	:	तुलसीदास
विश्वनाथ प्रसाद मिश्र	:	तुलसी की साधना
कामिल बुल्के	:	रामकथा
राजपति दीक्षित	:	तुलसीदास और उनका युग
रमेश कुंतल मेघ	:	तुलसी : आधुनिक वातायन से
विश्वनाथ त्रिपाठी	:	लोकवादी तुलसीदास
युगेश्वर	:	तुलसीदास : आज के संदर्भ में
योगेन्द्र प्रताप सिंह	:	मानस के रचना शिल्प का विश्लेषण
उदयभानु सिंह	:	तुलसी दर्शन मीमांसा
उदयभानु सिंह	:	तुलसी काव्य मीमांसा
विष्णुकान्त शास्त्री	:	तुलसी के हिय हेरि
नगेन्द्र	:	तुलसीदास : हिज माइण्ड एंड आर्ट
रामविलास शर्मा	:	भारतीय सौन्दर्यबोध और तुलसीदास
भदंत आनंद कौसल्यायन	:	तुलसी के तीन पात
ज्योतिष जोशी	:	तुलसी का स्वप्न और लोक
राधावल्लभ त्रिपाठी	:	रामायण का पुनर्पाठ
कमलानंद झा	:	तुलसीदास का काव्य विवेक और मर्यादाबोध
अवधेश प्रधान	:	सीता की खोज
डॉ. नरेंद्रदेव पाण्डेय	:	तुलसी साहित्य की अर्थ समस्याएँ और उनका निदान
प्रभाकर श्रोत्रिय	:	कवि परम्परा : तुलसी से त्रिलोचन
विवेक निराला	:	तुलसीदास : पुनर्पाठ

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)
प्रसाद

क्रेडिट : 04
कोड : **HIN 556**

इकाई : 1

प्रसाद का जीवन वृत्त एवं रचना संसार

- प्रसाद का जीवन वृत्त
- प्रसाद साहित्य का संक्षिप्त परिचय
- प्रसाद की जीवन दृष्टि और भारतीय दर्शन

इकाई : 2

छायावादी काव्यांदोलन और जयशंकर प्रसाद

- प्रसाद का काव्य : 'कामायनी' और 'आंसू' का विशेष अध्ययन
- कामायनी से निर्धारित पाठ : काम, लज्जा एवं आनन्द सर्ग
- आंसू का संपूर्ण पाठ

इकाई : 3

प्रसाद का नाट्य लेखन और रंगदर्शन

- प्रसाद के नाटक : 'स्कन्दगुप्त' एवं 'चन्द्रगुप्त' का विशेष अध्ययन

इकाई : 4

प्रसाद का कथा एवं कथेतर साहित्य

- प्रसाद का कथा साहित्य एवं निबन्ध : 'कंकाल' और 'काव्यकला और अन्य निबन्ध' का विशेष अध्ययन
- कहानी : आकाशदीप, मधुवा, गुंडा
- छायावाद, आधुनिक साहित्य और प्रसाद

इकाई : 5

प्रसाद का आलोचनात्मक गद्य

- काव्य और कला, रहस्यवाद, यथार्थवाद और छायावाद सम्बन्धी प्रसाद के विचार
- प्रसाद की रंगमंच सम्बन्धी मान्यताएँ
- प्रसाद की अन्य आलोचनाएँ

संदर्भ पुस्तकें

नन्ददुलारे वाजपेयी	:	जयशंकर प्रसाद
मुक्तिबोध	:	कामायनी : एक पुनर्विचार
नगेन्द्र	:	कामायनी के अध्ययन की समस्या
प्रेमशंकर	:	प्रसाद का काव्य
सिद्धनाथ कुमार	:	प्रसाद के नाटकों का पुनर्मूल्यांकन
रामलाल सिंह	:	कामायनी – अनुशीलन
वेदज्ञ आर्य	:	कामायनी की पारिभाषिक शब्दावली
गोविन्द चातक	:	प्रसाद के नाटकों का स्वरूप और संरचना
गिरीश रस्तोगी एवं जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव	:	प्रसाद का कथा साहित्य
गिरिजा राय	:	कामायनी की आलोचना प्रक्रिया
अनूप कुमार	:	प्रसाद की रचनाओं में संस्करणगत परिवर्तनों का अध्ययन
सूर्यप्रसाद दीक्षित	:	प्रसाद का गद्य
कृपाशंकर पाण्डेय	:	छायावाद की खड़ीबोली और प्रसाद
प्रभाकर श्रोत्रिय	:	जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)
निराला

क्रेडिट : 04
कोड : **HIN 557**

इकाई : 1

- निराला का जीवन संघर्ष और रचनात्मक विकास
- छायावादयुगीन परिदृश्य और निराला का साहित्य
- नवजागरण और निराला की वैचारिक पृष्ठभूमि
- निराला का काव्य : प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- निराला का गद्य : रोमान से यथार्थ की यात्रा

इकाई : 2

व्याख्या एवं आलोचनात्मक मूल्यांकन हेतु निर्धारित कविताएँ

1. जुही की कली, 2. अधिवास 3. बादल राग (भाग–6), 4. कल्पना के कानन की रानी, 5. टूटें सकल बंध कलि के, 6. सरोज स्मृति, 7. तुलसीदास (छंद 1 से 35 तक), 8. हिंदी के सुमनों के प्रति पत्र, 9. स्फटिक शिला, 10. जल्द जल्द पैर बढ़ाओ, 11. राजे ने अपनी रखवाली की, 12. शिशिर की शर्वरी, 13. प्रिया के प्रति, 14. स्नेह निर्झर बह गया है, 15. दुखता रहता है अब जीवन, 16. पत्रोत्कंठित जीवन का विष बुझा हुआ है,

- निराला की लंबी कविताओं का विन्यास
- निराला के परवर्ती गीत : मोहभंग एवं मुक्ति चेतना

पाठ्यपुस्तक : निराला की प्रतिनिधि कविताएँ (सं. विवेक निराला)

इकाई : 3

निर्धारित पाठ (व्याख्या एवं आलोचनात्मक मूल्यांकन हेतु)

बिल्लेसुर बकरिहा, कुल्ली भाट (उपन्यास), देवी, दो दाने, श्यामा (कहानियाँ)

निराला का कथा शिल्प : शिल्पगत नवीनता, भाषा शैली

निराला का कथा साहित्य : सामाजिक–सांस्कृतिक चेतना का रूपांकन

इकाई : 4

निर्धारित पाठ (व्याख्या एवं आलोचनात्मक मूल्यांकन हेतु)

साहित्य की समतल भूमि (साहित्यिक निबंध), बाहरी स्वाधीनता और स्त्रियाँ (संपादकीय लेख), मेरे गीत और कला (भूमिका)

पाठ्य पुस्तक : निराला संचयन (सं: विवेक निराला, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

- निराला के साहित्यिक निबंध : साहित्य के स्वधर्म की ओर
- निराला के साहित्येतर निबंध : हिंदी नवजागरण के अंतर्द्वंद्वों की अभिव्यक्ति

इकाई – 5

- निराला की संपादन दृष्टि और मतवाला
- निराला का बाल साहित्य
- निराला द्वारा किए गए अनुवाद

संदर्भ पुस्तकें

रामविलास शर्मा : निराला की साहित्य–साधना (खण्ड–3)
नंददुलारे वाजपयी : कवि निराला
बच्चन सिंह : निराला का काव्य : औपनिवेशिक और उत्तर औपनिवेशिक समय
दूधनाथ सिंह : निराला : आत्महंता आस्था
नंदकिशोर नवल : निराला की छवियां
नंदकिशोर नवल : निराला : कृति से साक्षात्कार
भवदेव पाण्डेय : एवम् निराला
तरुण कुमार : निराला की विचारधारा और विवेकानंद
संध्या सिंह : निराला के काव्य का राजनीतिक संदर्भ
राजेन्द्र कुमार (संपा0) : स्वाधीनता की अवधारणा और निराला
ए0 अरविंदाक्षण (संपा0) : निराला : एक पुनर्मूल्यांकन
धनंजय वर्मा : निराला काव्य का पुनर्मूल्यांकन
रेखा खरे : निराला की कविताएं और काव्यभाषा
शशिकला राय : समय के साक्षी : निराला
विवेक निराला : निराला साहित्य में प्रतिरोध के स्वर
संतोष भदौरिया : हिन्दी की लम्बी कविता का कद

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)
अज्ञेय

क्रेडिट : 04
कोड : **HIN 558**

इकाई : 1

- अज्ञेय की रचना यात्रा : कविता, उपन्यास, कहानी, नाटक, यात्रावृत्त, संस्मरण, ललित निबंध, आलोचना एवं संपादन
- अज्ञेय साहित्य के वैचारिक व दार्शनिक स्रोत : बौद्ध दर्शन, अस्तित्ववाद, आधुनिकतावाद, मनोविश्लेषणवाद, टी0एस0 इलियट के साहित्य सिद्धान्त, नवरहस्यवाद एवं अन्य प्रभाव

इकाई : 2

- अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या : व्यक्तित्व व सृजनात्मकता, रचना प्रक्रिया, भाषा व सप्रेषण की समस्या, भाषा और अनुभूति का अद्वैत, मौन विभाजन।
- अज्ञेय की सभ्यता समीक्षा : रचना और जीवन दृष्टि, मनुष्य प्रकृति और यंत्र, व्यक्ति, परम्परा राजसत्ता और समाज, व्यक्ति–स्वातंत्र्य के अर्थ, प्रेम और मृत्यु, प्रेम और स्वाधीनता।

इकाई : 3

- अज्ञेय और 'नई कविता'
- आलोचनात्मक लेख : 'तारसप्तक' की भूमिका, सर्जना के क्षण।

इकाई : 4

- कथा शिल्प के नए प्रयोग और अज्ञेय
- कथा साहित्य : व्याख्या के लिए निर्धारित पाठ, नदी के द्वीप (उपन्यास), कोठरी की बात (कहानी)

इकाई : 5

- व्याख्या हेतु निर्धारित कविताएँ :

  शिशिर के प्रति (भग्नदूत), हरी घास पर क्षण भर, देखती है दीठ (हरी घास पर क्षण भर), कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, यह मुकुर तुम्हारा, असाध्य वीणा, द्वितीया।

संदर्भ पुस्तकें :

शम्भुनाथ	:	मिथक और आधुनिक कविता
रामदरश मिश्र	:	आधुनिक हिन्दी कविता : सर्जनात्मक सन्दर्भ
शम्भुनाथ	:	कवि की नई दुनिया
प्रणय कृष्ण	:	अज्ञेय का काव्य प्रेम : प्रेम और मृत्यु
संजय कुमार	:	अज्ञेय : प्रकृति काव्य और काव्य प्रकृति
रामस्वरूप चतुर्वेदी	:	अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या
ओम थानवी (संपा0)	:	अपने अपने अज्ञेय, भाग–1 एवं 2
विनोद कुमार मंगलम	:	अज्ञेय और पाश्चात्य साहित्यकारों का तुलनात्मक अध्ययन

हितेश कुमार सिंह (संपादक) : अज्ञेय होने का अर्थ

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)
मुक्तिबोध

क्रेडिट : 04
कोड : **HIN 559**

इकाई : 1

- मुक्तिबोध : जीवन वृत्त और रचनात्मक संघर्ष
- नयी कविता आन्दोलन और मुक्तिबोध
- मुक्तिबोध : कला और विचारधारा का द्वन्द्व

इकाई : 2

- यथार्थ और फैण्टेसी : मुक्तिबोध के काव्य की रचना प्रक्रिया
- मुक्तिबोध की काव्यानुभूति की बनावट

इकाई : 3

- मुक्तिबोध की लम्बी कविताएं : जटिल यथार्थ की समग्र अभिव्यक्ति

निर्धारित पाठ :

क. कविताएं– पूंजीवादी समाज के प्रति, लाल सलाम, भूरी–भूरी खाक धूल, जड़ीभूत ढांचों से लड़ेंगे, अंतःकरण का आयतन, चकमक चिनगारियां, चांद का मुंह टेढ़ा है, ब्रह्मराक्षस, अंधेरे में, लकड़ी का रावण, भूल गलती, एक आत्म वक्तव्य, चम्बल की घाटी में।

इकाई : 4

निर्धारित पाठ :

ख. कहानियां : ब्रह्मराक्षस का शिष्य, क्लाड इथरली, विपात्र (लम्बी कहानी)।

इकाई : 5

निर्धारित पाठ :

ग. आलोचनात्मक लेख/निबंध– साहित्यिक की डायरी, नयी कविता का आत्म संघर्ष, समाज और साहित्य, मार्क्सवादी साहित्य का सौन्दर्य पक्ष, वस्तु और रूप (1 से 4 तक)

संदर्भ पुस्तकें :

अशोक चक्रधर	:	मुक्तिबोध की रचना प्रक्रिया
डॉ0 रामविलास शर्मा	:	नयी कविता और अस्तित्ववाद
नामवर सिंह	:	कविता के नये प्रतिमान
चंचल चौहान	:	मुक्तिबोध के प्रतीक और बिम्ब
नंदकिशोर नवल	:	मुक्तिबोध : कवि छवि
कृष्ण मोहन	:	मुक्तिबोध : स्वप्न और संघर्ष
राखी राय हाल्दार	:	आधुनिकता की भाषा और मुक्तिबोध
दिनेश कुमार	:	मुक्तिबोध : पुनर्पाठ

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)
भारतेन्दु हरिश्चंद्र

क्रेडिट : 04
कोड : **HIN 560**

इकाई : 1

- आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य के प्रवर्तक भारतेन्दु
- हिन्दी नवजागरण और भारतेन्दु
- भारतेंदु की भाषा नीति और हिन्दी–उर्दू विवाद
- समाज सुधार आन्दोलन और भारतेन्दु
- भारतेंदु मंडल और उसकी विशेषताएं

इकाई : 2

- भारतेन्दु का काव्य और उसकी प्रवृत्तियाँ (ब्रजभाषा काव्य, खड़ी बोली और उर्दू कवितायें)
- व्याख्या के निर्धारित पाठ : प्रेम सरोवर, बन्दर सभा, नए जमाने की मुकरी
  स्फुट रचना (ग़ज़ल–1) फिर आई फसले गुल फिर ज़ख्मदह रह रह के पकाते हैं...

इकाई : 3

- नाटककार भारतेन्दु
- हिन्दी रंगमंच के प्रवर्तन में भारतेन्दु की भूमिका
- भारतेन्दु के मौलिक और अनूदित नाटकों का संक्षिप्त परिचय
- निर्धारित पाठ– (अ) वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति (प्रहसन) (आ) अंधेर नगरी (नाटक)

इकाई : 4

- निबंधकार और पत्रकार भारतेन्दु
- भारतेन्दु द्वारा प्रवर्तित पत्र–पत्रिकाएं : कविवचन सुधा, हरिश्चंद्र चंद्रिका और बाला बोधिनी

- भारतेन्दु के कुछ प्रमुख निबंध और व्याख्यान : निर्धारित पाठ (अ) स्वर्ग में विचार सभा का अधिवेशन (आ) भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है ? (इ) नाटक, (ई) जातीय संगीत

इकाई : 5

- भारतेन्दु की ऐतिहासिक रचनाएं और पुरावृत्त संग्रह : एक परिचय
- भारतेन्दु के यात्रा–वृत्तान्त विशेष अध्ययन के लिए निर्धारित पाठ (अ) वैद्यनाथ की यात्रा
- भारतेन्दु का आत्म–वृत्त– एक कहानी कुछ आप बीती कुछ जगबीती
- भारतेंदु के दस्तावेज– विशेष अध्ययन के लिए निर्धारित पाठ (अ) एजुकेशन कमीशन एविडेंस ऑफ बाबू हरिश्चन्द्र

संदर्भ पुस्तकें :

भारतेन्दु समग्र, सम्पादक– हेमंत शर्मा, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएं– रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन

भारतेंदु के विचार : एक पुनर्विचार– चंद्रभानु सीताराम सोनवणे

हरिश्चंद्र : भारतभूषण भारतेंदु बाबू हरिश्चंद्र का जीवन चरित– शिवानन्द सहाय, हिंदी समिति

The Nationalization of Hindu Traditions : Bharatendu Harischandra and Nineteenth-century Banaras- Vasudha Dalmia, Oxford University Press.

हिन्दी गद्य : विकास और विन्यास– रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन

Culture and Power in Banaras : Community, Performance and Environment- 1800-1980- Editor-Sandriya B. Frietag, University of California Press

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)
प्रेमचंद

क्रेडिट : 04
कोड : **HIN 561**

इकाई 1

प्रेमचंद की जीवनी, रचनाएँ एवं विचारधारा : संक्षिप्त परिचय

प्रेमचंद की कहानियों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या : पंच परमेश्वर, स्वत्वरक्षा, सद्गति, ठाकुर का कुआँ, गुल्ली डंडा, ईदगाह, मनोवृत्ति, दूध का दाम, बड़े भाई साहब

इकाई 2

प्रेमचंद की कहानियों के हिंदी–उर्दू पाठ का तुलनात्मक अध्ययन
यही मेरा वतन है, रानी सारंधा, शतरंज के खिलाड़ी, मंत्र, पूस की रात, कफन

इकाई 3
प्रेमचंद का निबंध साहित्य : आलोचना एवं व्याख्या
देशी चीजों का प्रचार कैसे बढ़ सकता है, स्वदेशी आंदोलन, राणा प्रताप, पुराना जमाना नया जमाना, बच्चों को स्वाधीन बनाओ, साम्प्रदायिकता और संस्कृति, उर्दू हिंदी और हिंदुस्तानी, फिल्म और साहित्य, साहित्य का उद्देश्य, महाजनी सभ्यता

इकाई 4

रंगभूमि : आलोचना एवं व्याख्या

इकाई 5

कर्मभूमि : आलोचना एवं व्याख्या

संदर्भ पुस्तकें

1. अमृत राय, कलम का सिपाही, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद
2. अपूर्वानंद, यह प्रेमचंद हैं, सेतु प्रकाशन, नोयडा
3. आलोक राय, मुश्ताक अली, समक्ष प्रेमचंद की बीस उर्दू–हिंदी कहानियों का समांतर पाठ, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद
4. इंद्रनाथ मदान, प्रेमचंद एक विवेचन, राधकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. इंद्रमोहन कुमार सिन्हा, प्रेमचंद युगीन भारतीय समाज, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना
6. ओम अवस्थी, प्रेमचंद के नारी पात्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. कमल किशोर गोयनका, प्रेमचंद कहानी कोश, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
8. कमल किशेर गोयनका, प्रेमचंद की हिंदी–उर्दू कहानियाँ, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
9. कमल किशोर गोयनका, प्रेमचंद विश्वकोश (खंड–1 एवं खंड–2), प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
10. कल्याणमल लोढा (सं.) प्रेमचंद परिचर्चा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. जाफर रजा, प्रेमचंद उर्दू–हिंदी कथाकार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. जाफर रजा, प्रेमचंद कहानी का रहनुमा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. जैनेन्द्र कुमार, प्रेमचंद एक कृती व्यक्तित्व, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली
14. धर्मवीर, प्रेमचंद सामंत का मुंशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
15. नामवर सिंह, प्रेमचंद और भारतीय समाज, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
16. प्रकाशचंद्र गुप्त, प्रेमचंद साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
17. मदन गोपाल, कलम का मजदूर प्रेमचंद राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
18. मार्कण्डेय, सत्यप्रकाश मिश्र (सं) प्रेमचंद की कहानियों का महत्त्व, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
19. मुरली मनोहर प्रसाद सिंह, रेखा अवस्थी (सं.) प्रेमचंद विगत महत्ता और वर्तमान अर्थवत्ता, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
20. नंद दुलारे वाजपेयी, प्रेमचंद एक साहित्यिक विवेचन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
21. राजेंद्र कुमार, प्रेमचंद की कहानियाँ : परिदृश्य एवं परिप्रेक्ष्य
22. रामवक्ष, प्रेमचंद और भारतीय किसान वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
23 रामविलास शर्मा, प्रेमचंद, राधकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
24. रामविलास शर्मा, प्रेमचंद और उनका युग, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
25. शिवकुमार मिश्र, कहानीकार प्रेमचंद रचना दृष्टि और रचना शिल्प, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
26. शिवरानी देवी, प्रेमचंद घर में आत्माराम एंड संस, दिल्ली रू
27. श्रीराम त्रिपाठी, प्रेमचंद एक तलाश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
28. सदानंद शाही, दलित साहित्य की अवधारणा और प्रेमचंद

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)
रामचंद्र शुक्ल

क्रेडिट : 04
कोड : **HIN 562**

इकाई : 1

- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : जीवन वृत्त एवं रचना–कर्म
- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल से पूर्व हिंदी आलोचना, निबंध एवं हिन्दी साहित्य के इतिहास–लेखन की स्थिति

इकाई : 2

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना

- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की काव्य संबंधी आलोचना
- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का रस–सिद्धान्त
- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का परवर्ती हिंदी आलोचना पर प्रभाव

इकाई : 3

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी निबंध

- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबंधों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या

क. भाव या मनोविकार संबंधी निबंध : भाव या मनोविकार, उत्साह, लोभ और प्रीति, क्रोध

ख. आलोचनात्मक निबंध : काव्य में लोक मंगल की साधनावस्था, साधारणीकरण, व्यक्ति–वैचित्र्यवाद, काव्य में रहस्यवाद

इकाई : 4

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी साहित्येतिहास–लेखन

- हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन और आचार्य शुक्ल की इतिहास दृष्टि
- शुक्लोत्तर इतिहास लेखन और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- आचार्य शुक्ल की इतिहास–दृष्टि की प्रासंगिकता

इकाई : 5

- आचार्य शुक्ल का स्फुट लेखन

संदर्भ पुस्तकें :

चंद्रशेखर शुक्ल : रामचन्द्र शुक्ल : जीवन और कृतित्व
रामविलास शर्मा : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना
रामचन्द्र शुक्ल : चिन्तामणि, भाग 1, भाग 2 और भाग 3–4
रामचन्द्र शुक्ल : विश्व प्रपंच
रामचन्द्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
नलिन विलोचन शर्मा : साहित्य का इतिहास–दर्शन
नामवर सिंह : इतिहास और आलोचना
गुलाब राय, विजयेंद्र स्नातक : रामचन्द्र शुक्ल
नीलकांत : रामचन्द्र शुक्ल
दिनेश कुमार : रामचन्द्र शुक्ल
रामचन्द्र शुक्ल : रस–मीमांसा
रामचन्द्र शुक्ल : जायसी ग्रन्थावली
रामचन्द्र शुक्ल : तुलसीदास
रामचन्द्र शुक्ल : सूरदास

पत्रिकाएं :

रामचन्द्र शुक्ल विशेषांक – सम्मेलन पत्रिका, हिन्दुस्तानी

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)
फणीश्वरनाथ रेणु

क्रेडिट : 04
कोड : **HIN 590**

इकाई 1

रेणु की जीवनी रचनाएँ एवं विचारधारा : संक्षिप्त परिचय
रेणु की कहानियों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या
रसप्रिया, तीसरी कसम अर्थात मारे गए गुलफाम, लाल पान की बेगम, ठेस, सिरपंचमी का सगुन, वंडरफुल स्टुडियो, रोमांस शून्य प्रेम कथा की भूमिका जलवा

इकाई 2
मैला आँचल : आलोचना एवं व्याख्या

इकाई 3
जुलूस : आलोचना एवं व्याख्या

इकाई 4
रिपोर्ताज : आलोचना एवं व्याख्या
बिदापत नाच, तीसरी कसम के सेट पर तीन दिन भूमिदर्शन की भूमिका पटना जल प्रलय, जनवरी की डायरी

इकाई 5

रेखाचित्र एवं संस्मरण : आलोचना एवं व्याख्या सुहैल अजीमाबादी भादुडीजी। जब भी कुछ लिखता हूँ उनकी याद आती है. अपने गाँव और पटना के बीच
निबंध : आलोचना एवं व्याख्या
राष्ट्र निर्माण में लेखक का सहयोग पतिआते हैं तो मानिए आचलिकता भी एक विधा है.
उतरी स्वप्न परी–हरी क्रांति
नाटिका : आलोचना एवं व्याख्या
उत्तर नेहरू चरितम
साक्षात्कार : आलोचना एवं व्याख्या
बीमारों के देश में (रॉबिन शॉ पुष्प), आत्मसाक्ष्य (लोठार लुट्से)
संदर्भ पुस्तकें

गोपालकृष्ण प्रसाद फणीश्वरनाथ रेणु व्यक्तित्व काल और कृतियाँ
वंशीधर : हिंदी के आंचलिक उपन्यास
राजमल बोरा : हिंदी उपन्यास प्रयोग के चरण
देवेश ठाकुर : मैला आँचल की रचना प्रक्रिया
आलोक अशोक कुमार (स.) फणीश्वरनाथ रेणु सुजन और संदर्भ
कैलाशनाथ पांचे प्रमुख अचिलिक उपन्यास—संवेदनात्मक दृष्टि
भारत यायावर : रेणु का है अंदाजे–बयाँ और
भारत यायावर : रेणु–एक जीवनी
सुवास कुमार : आँचलिकता, यथार्थवाद और फणीश्वरनाथ रेणु
सियाराम तिवारी : हिंदी के आँचलिक उपन्यास
अल्पना तिवारी : रेणु की नारी दृष्टि
चंद्रभानु सोनवणे : कथाकार फणीश्वरनाथ रेणु
नेमिचंद्र जैन : अधूरे साक्षात्कार
रामबुझावन सिंह, रामवचन राय रेणु–संस्मरण एवं श्रद्धांजलि
रॉबिन शॉ पुष्प : सोने की कलम वाला हीरामन
सुरेश चौधरी : फणीश्वरनाथ रेणु
कुसुम सोफट : मैला आँचल
कैथरीन हैंसेन : आंचलिक उपन्यास, आँचलिकता और फणीश्वरनाथ रेणु
पत्रिकाएँ : रेणु विशेषांक–आलोचना, संवेद, प्रयाग पथ, सृजन सरोकार

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर

12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)

रैदास

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 588

इकाई : 1

- भक्ति आन्दोलन का विकास एवं परिस्थितियां
- निर्गुण भक्ति : संत काव्यधारा, संत शब्द की व्युत्पत्ति, संत के लक्षण, संत काव्य के प्रमुख कवि और संत काव्य की प्रवृत्तियां
- दक्षिण और उत्तर भारत के संत- पारस्परिक संबंध

इकाई : 2

- संत रैदास का जीवन-वृत्त
- रैदास की सामाजिक चेतना
- रैदास की भक्ति-भावना
- रैदास की धार्मिक चेतना

इकाई : 3

- रैदास की नारी शिक्षा (झालीरानी और मीराबाई)
- रैदास और कबीर, रैदास और नामदेव
- रैदास : श्रम की गरिमा, रैदास के राम

इकाई : 4

- रैदासी सम्प्रदाय, रैदास का बेगमपुरा और अमृतदेश
- दलित धर्म की अवधारणा और रैदास, हिन्दू धर्म और रैदास, आजीवक रैदास, बौद्ध धर्म और रैदास
- रैदास परचई

इकाई : 5

- रैदास काव्य की व्याख्या एवं आलोचना हेतु निर्धारित पाठ : डॉ. एन. सिंह, संत शिरोमणि रैदास और विचार, साखी संख्या 4,15, 19, ,42, 84, 85, 92, 105,106, 122, 155,158, 162, 163, 177, 181, 187, 205, 206, 207, 225, 226, 227 (कुल 24 साखियाँ)
- पद संख्या 3, 7, 18, 32, 35, 36, 45, 51, 52, 55, 65, 66, 78, 96, 119, 124, 140, 158, (कुल 18 पद)

सन्दर्भ-पुस्तकें

1. डॉ. एन. सिंह : संत शिरोमणि रैदास वाणी और विचार
2. धर्मपाल मैनी : भारतीय साहित्य के निर्माता रैदास
3. डॉ. रामकुमार अहिरवार : संत रविदास जीवन और दर्शन
4. डॉ. धर्मवीर : महान आजीवक कबीर, रैदास और गोसाल
5. श्याम सिंह : संत रैदास की मूल विचारधारा
6. इन्द्रराज सिंह : संत रविदास
7. परशुराम चतुर्वेदी : उत्तरी भारत की संत परम्परा
8. श्रीमती पद्मावती झुनझुनवाला : संत रैदास
9. गोविन्द रजनीश : रैदास रचनावली
10. डॉ. धर्मवीर : संत रैदास का निवर्ण सम्प्रदाय
11. योगेन्द्र सिंह : संत रैदास
12. डॉ. कन्हैया सिंह : पूर्वी उत्तर प्रदेश के संत कवि
13. कुलदीप कुमार : ऐसा चाहू राज मैं.... संत सिपाही रैदास
14. डॉ. हरिनारायण ठाकुर : दलित साहित्य का समाजशास्त्र
15. श्रीप्रकाश शुक्ल : राग रविदास

सरोज सिंह

एम. ए. (हिन्दी) तृतीय सेमेस्टर
12 वाँ प्रश्न – पत्र (वैकल्पिक)
(कवि/ लेखक का विशेष अध्ययन)
महादेवी वर्मा

क्रेडिट : 04
कोड : HIN 589

इकाई: 01

- महादेवी का जीवन परिचय एवं युगीन सन्दर्भ
- महादेवी का कृतित्व : काव्य एवं गद्य साहित्य
- दार्शनिक प्रभाव एवं विचारधारा
- छायावाद की वृहत्त्रयी और महादेवी वर्मा

इकाई: 02

- छायावादी काव्य आन्दोलन और महादेवी
- महादेवी का काव्य एवं काव्य प्रवित्तियां : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन
  निर्धारित पाठ : 'यामा' संकलन की चयनित कविताएँ
  'संधिनी' संकलन की चयनित कविताएँ
- महादेवी की रहस्यानुभूति, आत्माभिव्यक्ति एवं आत्मप्रसार
- महादेवी के काव्य में गीति-तत्व
- काव्यकला एवं चित्रकला का अंतर्संबंध
- महादेवी के काव्य की आलोचना प्रक्रिया

इकाई: 03

- महादेवी का गद्य साहित्य : संस्मरण एवं रेखाचित्र (व्याख्या एवं आलोचना)
  संस्मरण – 'पथ के साथी' , 'मेरा परिवार' (कुल 4 पाठ)
  रेखाचित्र – 'अतीत के चलचित्र', 'स्मृति की रेखाएं' (कुल 4 पाठ)

इकाई: 04

- महादेवी का नारी सम्बन्धी लेखन : शृंखला की कड़ियां (व्याख्या एवं आलोचना)
- महादेवी का सांस्कृतिक लेखन : भारतीय संस्कृति के स्वर (केवल आलोचना)

इकाई: 05

- छायावाद युग की आलोचना में महादेवी का आलोचनात्मक हस्तक्षेप : महादेवी का आलोचना साहित्य (केवल आलोचना)
- 'क्षणदा', 'सुखदा' के निबंध
- 'यामा' , 'दीपशिखा' की भूमिकाएं
- 'विवेचनात्मक गद्य'
- 'साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध'
- महादेवी पर लिखित आलोचनाओं का समीक्षात्मक अध्ययन

सन्दर्भ

- नन्दकिशोर नवल -आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास
- परमानन्द श्रीवास्तव (सं.) – महादेवी
- गंगा प्रसाद पाण्डेय : महीयसी महादेवी
- रामजी पाण्डेय : परिचय इतना इतिहास यही
- दूधनाथ सिंह – महादेवी
- इंद्रनाथ मदान : महादेवी
- जगदीश गुप्त : महादेवी
- चंद्रा सदायत : लेखिकाओं की दृष्टि में महादेवी वर्मा
- अर्चना सिंह : महादेवी (विचार का आईना)
- निरंजन सहाय : महादेवी
- लीलाधर मंडलोई (सं.) – हिंदी कविता के सौ बरस
- प्रणय कृष्ण – उत्तर-औपनिवेशिकता के स्रोत और हिंदी साहित्य
- सूजी थारू और के. ललिता (सं.) - वीमेन राइटिंग इन इंडिया , 1993 (600 ईसा पूर्व से अब तक के भारताय स्त्री लेखन के नमूनों का वृहत् संकलन)
- सुधा सिंह – ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ
- महादेवी वर्मा पर तद्भव पत्रिका में प्रकाशित सत्यप्रकाश मिश्र एवं मैनेजर पाण्डेय की आलोचनाएं

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर
13वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
हिन्दी पत्रकारिता

क्रेडिट : 04
कोड : **HIN 563**

इकाई : 1 - **पत्रकारिता एवं जनसंचार**

- पत्रकारिता की अवधारणा और उसके विविध रूप
- जनसंचार के रूप में पत्रकारिता
- हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता

इकाई : 2 - हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास

- हिन्दी पत्रकारिता की विकास-यात्रा
- स्वतंत्रता पूर्व एवं पश्चात की हिन्दी पत्रकारिता
- स्वतंत्रता आंदोलन, हिन्दी पत्रकारिता और प्रतिबंधन
- हिन्दी की प्रमुख पत्रिकाएँ, संपादक एवं पत्रकार
  सरस्वती, प्रताप, माधुरी, चाँद, कर्मवीर, कल्पना, प्रतीक, धर्मयुग।
  महावीर प्रसाद द्विवेदी, गणेशशंकर विद्यार्थी, माखनलाल चतुर्वेदी, अज्ञेय, रघुवीर सहाय, धर्मवीर भारती, राजेंद्र माथुर।

इकाई : 3 - पत्रकारिता - अभिव्यक्ति, विधि और आचार संहिता

- भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार
- मानवाधिकार एवं सूचना का अधिकार
- प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता
- प्रजातन्त्र में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व
- प्रेस से संबन्धित प्रमुख संस्थाएं

इकाई : 4 - व्यावहारिक पत्रकारिता

- *समाचार निर्माण : समाचार के विभिन्न स्रोत, समाचार - संकलन तथा लेखन*
- शीर्षकीकरण, आमुख और समाचार प्रस्तुति, कैप्शन, प्रूफ संशोधन, ले आउट एवं पृष्ठ सज्जा
- समाचार पत्रों में विभिन्न स्तंभों की योजना, समाचार की भाषा
- समपादकीय विभाग, उसके विविध अंग और कर्तव्य
- संवाददाता की अर्हता, उनकी श्रेणियाँ, कार्य पद्धति एवं नैतिक उत्तरदायित्व।

इकाई : 5 - **पत्रकारिता: सृजनात्मक लेखन एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया**

- पत्रकारिता से संबन्धित लेखन प्रविधियाँ - संपादकीय, रिपोर्ट, फीचर, साक्षात्कार, स्तम्भ लेखन, विज्ञापन लेखन।

- इलेक्ट्रानिक मीडिया की पत्रकारिता - रेडियो, टेलिविजन, इंटरनेट की पत्रकारिता।
- पत्रकारिता और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दे - वैश्वीकरण, बाजारवाद, विकास की अवधारणा, औद्योगिकीकरण, शहरीकरण, लोकतन्त्र, राष्ट्रवाद, धर्मनिरपेक्षता आदि।

संदर्भ पुस्तकें :

अर्जुन तिवारी : हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास

असगर वजाहत, प्रभात रंजन : टेलीविजन लेखन

ओमकार चौधरी : खोजी पत्रकारिता

कृष्ण बिहारी मिश्र : हिन्दी पत्रकारिता

मीरा रानी बल : राष्ट्रीय नवजागरण और हिन्दी पत्रकारिता

पंकज बिष्ट, भूपेन सिंह : मीडिया, बाज़ार और लोकतंत्र

कमल दीक्षित, महेश दर्पण : समाचार संपादन

क॰पी॰ वेनराईट : जर्नलिज़्म

डी॰डी॰ ओझा : दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी

नन्दकिशोर त्रिखा : समाचार संकलन और लेखन

नन्दकिशोर त्रिखा : भेंटवार्ता और प्रेस कांफ्रेंस

मुश्ताक़ अली : व्यावहारिक पत्रकारिता

संतोष भदौरिया : शब्द प्रतिबन्ध, मेधा बुक्स, नई दिल्ली

दिलीप मंडल : मीडिया का अंडरवर्ल्ड, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

विनीत कुमार : मंडी में मीडिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

हरीश चन्द्र बर्णवाल : टेलीविज़न की भाषा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

आशुतोष पार्थेश्वर : हिन्दी विज्ञापनों का पहला दौर, अद्वैत प्रकाशन

धनंजय चोपड़ा : सिर्फ समाचार

डॉ श्याम कश्यप, मुकेश कुमार : टेलीविज़न की कहानी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
13वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
प्रयोजनमूलक हिन्दी

क्रेडिट : 04
कोड : **HIN 564**

इकाई : 1

प्रयोजनमूलक हिंदी : अभिप्राय और परिव्याप्ति

- प्रयोजनमूलक हिंदी का अर्थ
- प्रयोजनमूलक हिंदी, बोलचाल की हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी में अंतर
- प्रयोजनमूलक हिंदी के नामकरण की समस्या
- प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूप
- प्रयोजनमूलक हिंदी और राजभाषा से उसके सम्बन्ध
- ई–लेखन के विविध आयाम– देवनागरी फाण्ट, यूनीकोड, राजभाषा–साफ्टवेयर

इकाई : 2

प्रयोजनमूलक हिंदी का व्यावहारिक स्वरूप

- टिप्पणी : स्वरूप एवं प्रकार
- संक्षेपण : अर्थ एवं प्रक्रिया
- प्रतिवेदन : अर्थ एवं विशेषताएं
- प्रारूपण : महत्व और विशेषताएं
- कार्यालयी पत्र के प्रकार – सरकारी (शासकीय पत्र), अर्द्धसरकारी पत्र, कार्यालयी आदेश, कार्यालयी ज्ञापन, पृष्ठांकन, अधिसूचना, प्रेस विज्ञप्ति एवं परिपत्र

इकाई : 3

कार्यालयी हिन्दी की प्रकृति और उसका प्रयोग

- कार्यालयी हिन्दी : अर्थ एवं प्रकृति
- कार्यालयी हिन्दी : बोलचाल की हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी से अंतर
- कार्यालयी हिन्दी की विशेषताएं
- कार्यालयी हिन्दी की निर्माण प्रक्रिया

- कार्यालयी हिन्दी की उपयोगिता एवं उसका महत्व

इकाई : 4

- पारिभाषिक शब्दावली : सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक परिचय
- पारिभाषिक शब्दावली : अभिप्राय और वर्गीकरण
- पारिभाषिक शब्दावली : निर्माण के सिद्धांत
- पारिभाषिक शब्दावली : अनुवाद की समस्याएं
- प्रशासन और विधि संबंधी शब्दावली
- वाणिज्य संबंधी शब्दावली (बैंक, बीमा)

इकाई : 5

- अनुवाद : सिद्धान्त एवं व्यवहार
- अनुवाद : अवधारणा और प्रक्रिया
- हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका
- कार्यालयी हिन्दी एवं अनुवाद
- विज्ञापन में अनुवाद
- वाणिज्य में अनुवाद

संदर्भ पुस्तकें :

रामप्रकाश, दिनेश गुप्त : प्रयोजन मूलक हिंदी : संरचना और सिद्धान्त
दंगल झाल्टे : प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धान्त और प्रयोग
मुश्ताक अली : प्रयोजनमूलक हिन्दी
कैलाश चंद्र भाटिया : कामकाजी हिंदी
कैलाश चंद्र भाटिया : प्रशासन में राजभाषा हिन्दी
हरिमोहन : प्रशासनिक हिन्दी : टिप्पणी, प्रारूपण
कृष्ण कुमार गोस्वामी : व्यावहारिक हिंदी और रचना
सूरजभान सिंह : हिंदी भाषा : संदर्भ और संरचना
कुसुम अग्रवाल : भाषा शिल्प
वी0आर0 जगन्नाथन : हिन्दी प्रभाग और प्रयोग
रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव : भाषाई अस्मिता और हिन्दी
प्रकाशन विभाग दिल्ली : राजभाषा हिन्दी

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
13वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)
भारतीय प्रवासी एवं विस्थापित समाज (डायस्पोरा) का साहित्य

क्रेडिट : 04
कोड : **HIN 565**

इकाई : 1

भारतीय डायस्पोरा का ऐतिहासिक परिचय

व्यापार नेटवर्क, स्वतंत्र प्रवासन, सिद्धदोष प्रवासन,
अनुबंधित श्रमिक – गिरमिटिया, कंगनी और मैस्त्री
स्वातंत्र्योत्तर काल में प्रवासन

इकाई : 2

भाषा अनुरक्षण, भारतीय बोली समूह का क्रिओल, पिजिन तथा कोईन बनावट का प्रभाव, ओ0बी0एच0, (समुद्रपारीय भोजपुरी हिंदी) सरनामी, कलकतिया बात, नाताली हिंदी, पुरनिया हिंदी, फिजी हिंदी, त्रिनिदाद भोजपुरी का परिचय, भारतीय डायस्पोरा में हिंदी भाषा।

इकाई : 3

लोक साहित्य, कविता, कहानी एवं उपन्यास
गिरमिटिया विमर्श, स्त्री विमर्श

इकाई : 4

डायस्पोरा पर भारतीय लेखक
भारतीय मूल के लेखक
क. सूरीनाम, फिजी एवं मारीशस
ख. यूरोप एवं अमेरिकी
गैर–भारतीय लेखकों द्वारा सृजित भारतीय डायस्पोरा साहित्य

इकाई : 5

पाठ आधारित समझ (हिंदी डायस्पोरा लेखक)

क. फिजी द्वीप में मेरे इक्कीस वर्ष : तोताराम सनाढ्य

ख. लाल पसीना : अभिमन्यु अनत

ग. डउका पुरान : सुब्रमनी

घ. पूछो इस माटी से : रामदेव धुरंधर

ङ कमला प्रसाद शर्मा का लेखन

संदर्भ पुस्तकें :

- गौतम मोहनकांत (2015), कैरेबियन देशों में हिंदी भाषा और समाज, बहुवचन, अंक–46, जुलाई–सितंबर–2015
- अवस्थी, पुष्पिता (2014), सूरीनाम का सृजनात्मक साहित्य, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
- मिश्र, विजय (2007), द लिटरेचर ऑफ द इंडियन डायस्पोरा : थ्योराइजिंग द डायस्पोरिक इमेजनरी, रुले पब्लिशिंग
- सुब्रमनी (2001), डउका पुरान, स्टार पब्लिकेशंस, नई दिल्ली
- ह्यू टिंकर (1974), ए न्यू सिस्टम ऑफ स्लेवरी : द एक्सपोर्ट ऑफ इण्डियन लेबर ओवरसीज, 1830–1920
- तोराबुली, खल एवं मरीना कार्टर (2002), कुलीट्यूड : एन एंथालोजी ऑफ द इंडियन लेबर डायस्पोरा, एंथम प्रेस

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर

14वाँ प्रश्न पत्र

भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा (इतिहास एवं सिद्धांत)

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 522**

इकाई : 1

- भाषा विज्ञान – परिभाषा एवं स्वरूप, भाषा की उत्पत्ति
- भाषा विज्ञान की शाखाएँ
- ध्वनि विज्ञान : ध्वनियों का वर्गीकरण और विशेषताएं
  स्वनिम् विज्ञान एवं स्वनिम प्रक्रिया, ध्वनि परिवर्तन

इकाई : 2

- रूप विज्ञान (पद विज्ञान) शब्द एवं रूप
- वाक्य विज्ञान, वाक्य रचना, वाक्य परिवर्तन
- शब्दार्थ संबंध
- अर्थ परिवर्तन के कारण

इकाई : 3

- प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाओं का अति संक्षिप्त परिचय
- अपभ्रंश, अवहट्ट तथा पुरानी हिन्दी की तुलनात्मक विशेषताएँ
- हिन्दी की उपभाषाओं का संक्षिप्त परिचय
- अवधी, ब्रज, खड़ी बोली, भोजपुरी, कुमाउँनी, मारवाड़ी आदि हिन्दी बोलियों की संक्षिप्त विशेषताएँ

इकाई : 4

- काव्य भाषा के रूप में अवधी, ब्रज, खड़ीबोली का विकास
- मानक हिन्दी का व्याकरण

इकाई : 5

- देवनागरी लिपि का ऐतिहासिक विकास क्रम

- देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता एवं व्यावहारिकता

संदर्भ पुस्तकें :

रामचन्द्र शुक्ल	:	बुद्धचरित की भूमिका (चिन्तामणि भाग–3)
सुनीति कुमार चाटुर्ज्या	:	भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी
दीप्ति शर्मा	:	व्याकरणिक कोटियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन
धीरेन्द्र वर्मा	:	हिन्दी भाषा का इतिहास
उदयनारायण तिवारी	:	हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास
हरदेव बाहरी	:	हिन्दी भाषा : उद्‌भव, विकास और रूप
माताबदल जायसवाल	:	मानक हिन्दी का ऐतिहासिक व्याकरण
यमुना काचरू	:	हिन्दी का समसामयिक व्याकरण
रामकिशोर शर्मा	:	हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
शैल पाण्डेय	:	हिन्दी क्रियाओं का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन
आर्येन शर्मा	:	बेसिक ग्रामर ऑफ मार्डन हिन्दी
अनन्त चौधरी	:	हिन्दी व्याकरण का इतिहास
मलिक मुहम्मद	:	हिन्दी और उसकी उपभाषाएँ
विमलेश कान्त वर्मा	:	राजभाषा हिन्दी : विकास के विविध आयाम
मीरा दीक्षित	:	हिन्दी भाषा
मीरा दीक्षित	:	भाषा विज्ञान के सिद्धान्त

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर

15वाँ प्रश्न पत्र

निबंध : साहित्यिक एवं साहित्येतर

क्रेडिट : 04

कोड : **HIN 523**

इकाई : 1

- निबंध क्या है ? भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण
- निबंध : उद्‌भव और विकास
- निबंध की प्रमुख विशेषताएं
- निबंध लेखन कला

इकाई : 2

साहित्यिक निबंध

- हिन्दी के विभिन्न साहित्यिक आंदोलन (कहानी और कविता के संदर्भ में)
- विचारधाराएं (भारतीय और पाश्चात्य)
- मानव मूल्य और साहित्य
- साहित्य और संस्कृति
- साहित्य और समाज
- साहित्य और विज्ञान
- साहित्य का उद्‌देश्य
- परम्परा और आधुनिकता
- अस्मितामूलक विमर्श

इकाई : 3

साहित्येतर निबंध

- भारत की आंतरिक व बाहरी समस्याएं
- पर्यावरण संकट
- प्राकृतिक आपदाएं

- आतंकवाद, भ्रष्टाचार, साम्प्रदायिकता
- सामाजिक एवं आर्थिक विषमता
- वैश्वीकरण और भाषा के प्रश्न
- राष्ट्रभाषा, राजभाषा और सम्पर्क भाषा हिन्दी
- मिथक और इतिहास

इकाई : 4

- मीडिया और साहित्य
- मीडिया और समाज
- भारतीय राजनीति और लोकतंत्र
- भारतीय विविधता और राष्ट्रीय एकता
- भारतीय मीडिया और लोकतंत्र
- भारत का वैज्ञानिक एवं तकनीकी विकास

इकाई : 5

- भारतीयता और भारतीय सभ्यता
- संस्कृति और सभ्यता
- शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन
- जैव विविधता
- कृत्रिम बौद्धिकता
- धर्म और राजनीति
- टैगोर का मानवतावाद
- गाँधी के ग्राम स्वराज की अवधारणा
- राष्ट्रवाद और भारतीय चिंतन
- महामारी (कोरोना) और साहित्य

संदर्भ पुस्तकें :

हिन्दी के साहित्यिक निबंध– गणपति चंद्र गुप्त

राष्ट्रवाद – रवीन्द्रनाथ टैगोर

भारतनामा – सुनील खिल्लानी

इतिहास और राष्ट्रवाद– वैभव सिंह

राष्ट्रवाद बनाम देशभक्ति : इयत्ता की राजनीति और रवीन्द्रनाथ टैगोर– आशीष नंदी, अनुवाद– अभय कुमार दुबे

ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ– सुधा सिंह

मीडिया बाजार और लोकतंत्र – सं. पंकज बिष्ट, भूपेन सिंह

साम्प्रदायिकता, आतंकवाद और जन माध्यम – जगदीश्वर चतुर्वेदी

गाँधीवाद रहे न रहे – राजीव रंजन गिरि

धर्मनिरपेक्षता बनाम राष्ट्रीय संस्कृति – कुबेरनाथ राय

कोरोना काल और साहित्य चेतना – कल्पना वर्मा

महामारी और कविता – श्रीप्रकाश शुक्ल

पत्रिकाएं :

आलोचना, तद्भव, प्रतिमान, बहुवचन, अनहद (गांधी विशेषांक), सृजन सरोकार (गांधी विशेषांक)